RNI No. GUJHIN/2011/39228

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

गरवी गुजरात

अहमदाबाद से प्रकाशित होता दैनिक

वर्ष : 14
अंक : 266
दि. 26.01.2025,
रविवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : MANOJKUMAR CHAMPAKLAL SHAH Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

संक्षिप्त समाचार

प्रधानमंत्री ने 2025 के सभी पद्म पुरस्कार विजेताओं को बधाई दी

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज वर्ष 2025 के सभी पद्म पुरस्कार

विजेताओं को बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक पुरस्कार विजेता कड़ी मेहनत, जुनून और नवाचार का पर्याय है, जिसने असंख्य लोगों के जीवन पर सकारात्मक प्रभाव डाला है। एक्स पर एक पोस्ट करते हुए उन्होंने लिखाः

"पद्म पुरस्कार विजेताओं को बधाई! भारत को उनकी असाधारण उपलब्धियों का सम्मान करने और उनका जश्न मनाने पर गर्व है।

राष्ट्रपति ने 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस समारोह में भाग लिया

नई दिल्ली, (एजेंसी)। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज (25 जनवरी, 2025) नई दिल्ली में आयोजित 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस समारोह में भाग लिया और सभा को संबोधित किया। इस अवसर पर, राष्ट्रपति ने राज्य और जिला स्तर के उन अधिकारियों को सर्वोत्तम चुनावी कार्यप्रणाली पुरस्कार प्रदान किए जिन्होंने चुनावों का सुचारू संचालन सुनिश्चित करने में अनुकरणीय प्रदर्शन किया। उन्होंने मुख्य निर्वाचन आयुक्त श्री राजीव कुमार से 'इंडिया वोट्स 2024: ए सागा ऑफ डेमोक्रेसी' नाम की पुस्तक की पहली प्रति भी प्राप्त की।

सभा को संबोधित करते हुए, राष्ट्रपति ने कहा कि यह हम सभी के लिए गर्व की बात है कि हमारा लोकतंत्र न केवल विश्व का सबसे पुराना लोकतंत्र है, बल्कि विश्व का सबसे बड़ा, विविधतापूर्ण, युवा, समावेशी और संवेदनशील लोकतंत्र भी है। उन्होंने कहा कि भारत का लोकतंत्र आधुनिक विश्व के लिए एक अनूठा उदाहरण है। विश्व के कई देश हमारी चुनाव प्रणाली और प्रबंधन से सीख ले रहे हैं।

राष्ट्रपति ने कहा कि हमारे समावेशी लोकतंत्र की प्रभावशाली झलक चुनावों में दिखाई देती है। चुनावों में महिलाओं की बढ़ती भागीदारी हमारे समाज और देश के समग्र विकास का एक महत्वपूर्ण संकेत है। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग ने 85 वर्ष से अधिक आयु के वयोवृद्ध मतदाताओं, दिव्यांग मतदाताओं और दूरदराज के इलाकों में रहने वाले जजतीय मतदाताओं के लिए मतदान प्रक्रिया को सुगम बनाने हेतु विशेष प्रयास किए हैं। उन्होंने कहा, इस प्रकार निर्वाचन आयोग ने समावेशी और संवेदनशील चुनाव प्रबंधन का एक अच्छा उदाहरण पेश किया है।

राष्ट्रपति ने कहा कि मतदान से जुड़े आदर्श और जिम्मेदारियां हमारे लोकतंत्र के मुख्य आयाम हैं। निर्वाचन आयोग द्वारा जारी मतदाता शपथ से सभी नागरिकों का मार्गदर्शन हो सकता है। उन्होंने कहा कि मतदाताओं में लोकतंत्र के प्रति पूर्ण आस्था के साथ-साथ यह दृढ़ संकल्प भी होना चाहिए कि वे सभी प्रकार की संकीर्णताओं, भेदभाव और प्रलोभन से ऊपर उठकर अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रबुद्ध मतदाता हमारे लोकतंत्र को मजबूत बनाते हैं।

वर्ष 2011 से, भारत निर्वाचन आयोग के स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 25 जनवरी को प्रतिवर्ष राष्ट्रीय मतदाता दिवस मनाया जाता है। इस आयोजन का उद्देश्य मतदाता की केंद्रीयता को रेखांकित करना, नागरिकों के बीच चुनावी जागरूकता बढ़ाना और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में उनकी सक्रिय भागीदारी को प्रेरित करना है।

विश्व हिन्दू परिषद के मंच से सीएम योगी बोले- 'सनातन का एक ही संदेश, एकता से ही अखंड रहेगा देश'

(एजेंसी)।

यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज एक कार्यक्रम में कहा कि भारत में वर्ल्ड क्लास यूनिवर्सिटी बन रही है. उन्होंने कहा कि लोगों को भोजन और घर मिल रहा है, यही तो रामराज्य है.

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विश्व हिन्दू परिषद के मंच से कहा कि भारत की सनातन परंपरा का रूप दुनिया देख रही है. यहां का संदेश पूरे दुनिया के लिए दिव्य होना चाहिए. उन्होंने कहा कि याद करिए 1980 के बाद जो भी कुंभ या महाकुंभ का आयोजन हुआ, तब से संतों का संकल्प मूर्त रूप लेता रहा है. जो संकल्प पारित होते थे वो एक- एक करके हमको देखने को मिल रहे हैं.

सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अयोध्या में पिछले साल 500 साल का इंतजार पूरा हुआ है. एक नई अयोध्या और काशी का दर्शन हो रहा है. उन्होंने कहा कि विश्व हिन्दू परिषद सभी संतों का मंच बना है. अब याद करिए 500 सालों में हमारी पीढ़ी सबसे सौभाग्यशाली है. कई पीढ़ी नहीं देख पाई जो हमें देखने को मिला है. मैंने वो दृश्य भी देखा जब प्राण प्रतिष्ठा होने के अगले दिन अपेक्षा से ज्यादा भीड़ हुई थी.

'झाड़ी से नहीं हो सकती सनातन की तुलना'

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा, "कोई राम मंदिर का पिलर पकड़ कर और कोई जमीन पर आंखों में आंसू लिए भगवान के दर्शन का इंतजार कर रहा था, लेकिन इसके लिए धैर्य जरूरी है." उन्होंने कहा, "सनातन धर्म की तुलना किसी झाड़ी से नहीं हो सकती है. गुरु गोविंद जी महाराज ने इसी धर्म के लिए बलिदान दिया था. गुरु तेजबहादुर जी महाराज ने कश्मीर में सनातन धर्म के लिए अपना बलिदान दिया था."

इंदौर और उदयपुर को दुनिया के 31 वेटलैंड मान्यता प्राप्त शहरों की सूची में शामिल होने पर पीएम ने बधाई दी

प्रधानमंत्री मोदी ने आज इंदौर और उदयपुर को दुनिया के 31 वेटलैंड मान्यता प्राप्त शहरों की सूची में शामिल होने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह मान्यता सतत विकास और प्रकृति एवं शहरी विकास के बीच सामंजस्य के पोषण के प्रति भारत की मजबूत प्रतिबद्धता को दशार्ती है। एक्स पर केंद्रीय मंत्री श्री भूपेन्द्र यादव की पोस्ट का जवाब देते हुए प्रधानमंत्री ने कहाः 'इंदौर और उदयपुर को बधाई! यह मान्यता सतत विकास और प्रकृति एवं शहरी विकास के बीच सामंजस्य स्थापित करने के प्रति हमारी मजबूत प्रतिबद्धता को दशार्ती है।

भारत राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो का स्वागत कर सम्मानित महसूस कर रहा है: प्रधानमंत्री मोदी

(एजेंसी)।

इंडोनेशिया के राष्ट्रपति महामहिम श्री प्रबोवो सुबियांतो का स्वागत करते हुए, प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने आज कहा कि भारत-इंडोनेशिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई। उन्होंने इस बात पर प्रकाश डाला कि इंडोनेशिया हमारी एक्ट ईस्ट नीति के केन्द्र में है और भारत इंडोनेशिया की ब्रिक्स की सदस्यता का स्वागत करता है।

एक्स पर एक थ्रेड पोस्ट में, श्री मोदी ने लिखाः

'भारत राष्ट्रपति प्रबोवो सुबियांतो का स्वागत करके सम्मानित महसूस कर रहा है।

जब हमने अपना पहला गणतंत्र दिवस मनाया था, तो इंडोनेशिया अतिथि देश था और अब, जब हम एक गणतंत्र के रूप में भारत के 75 वर्ष पूरे होने का उत्सव मनाने जा रहे हैं, तो राष्ट्रपति सुबियांतो उस समारोह में भाग लेंगे। हमने भारत-इंडोनेशिया व्यापक रणनीतिक साझेदारी के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की।

'हमने सुरक्षा, रक्षा उत्पादन, व्यापार, फिनटेक, एआई और अन्य क्षेत्रों में भारत-इंडोनेशिया संबंधों को प्रगाढ़ करने के तरीकों पर चर्चा की। खाद्य सुरक्षा, ऊर्जा और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्र भी उन क्षेत्रों में शामिल हैं जहां हम साथ मिलकर काम करने के लिए उत्सुक हैं।'

'भारत और इंडोनेशिया विभिन्न बहुपक्षीय मंचों पर भी निकटता से सहयोग कर रहे हैं। इंडोनेशिया हमारी एक्ट ईस्ट नीति के केन्द्र में है और हम इंडोनेशिया की ब्रिक्स की सदस्यता का स्वागत करते हैं।'

इच्छामृत्यु मांगने आया था ऑटो चालक, डीएम ने बना दिया गणतंत्र दिवस का मुख्य अतिथि, हो रही खूब तारीफ

(एजेंसी)।

कानपुर के एक ऑटो चालक के आत्मसम्मान को ठेस पहुंची तो वह अपनी जिंदगी खत्म करने का फैसला लेकर डीएम कार्यालय पहुंचा। लेकिन डीएम ने न केवल उसकी बात सुनी, बल्कि उसे गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि बनने का अवसर दिया।

दरअसल, यह पूरा मामले कानपुर के हनुमंत विहार का है। यहा के रहने वाले ऑटो चालक राकेश सोनी ने आरोप लगाया कि नौबस्ता चौराहे पर सवारी बैठाने के दौरान ई-रिक्शा चालकों से बहस हो गई। तभी वहां पहुंचे ट्रैफिक इंस्पेक्टर ने उनके साथ अभद्रता की और अपमानित किया।

वढ ल्लीढ्२ 'ल्लस्र४१ '४३ङ्ख ३्र५ी१ ल्लप्र३ङ्खल्ल १ीस्र४ू' ि

राकेश का कहना है कि इस घटना से वह काफी आहत हुआ और इससे व्यथित होकर उसने अपनी जीवन लीला समाप्त करने का निर्णय लिया। घटना के बाद राकेश अपना दर्द लेकर डीएम जितेंद्र प्रताप सिंह के जनता दरबार में पहुंचा।

जब उसकी बारी आई तो वह डीएम के सामने फूट-फूट कर रोने लगा और बोला, सर, मुझे इच्छामृत्यु चाहिए। नौबस्ता चौराहे पर ट्रैफिक इंस्पेक्टर ने सबके सामने उसके साथ अभद्रता की, जिससे वह बहुत आहत है। यह सुनकर डीएम और वहां मौजूद सभी लोग हैरान रह गए।

डीएम ने सुनी बात और लिया फैसला

राकेश की आपबीती सुनने के बाद डीएम ने तुरंत उसे सांत्वना दी और आत्मसम्मान लौटाने के लिए एक अनोखा कदम उठाया। डीएम ने राकेश को 26 जनवरी के गणतंत्र दिवस समारोह में मुख्य अतिथि बनने का निमंत्रण दिया।

डीएम ने ऑटो चालक से कहा कि आपके आत्मसम्मान की रक्षा करना हमारा कर्तव्य है। इतना ही नहीं डीएम ने मामले की गंभीरता को देखते हुए ट्रैफिक इंस्पेक्टर के खिलाफ जांच के आदेश दिए। एडिशनल डीसीपी ट्रैफिक को मामले की जांच सौंपी गई है।

राकेश बोला- हमने सपने में नहीं सोचा था

डीएम द्वारा सांत्वना देने के साथ ही मुख्य अतिथि के लिए निमंत्रण मिलने के बाद राकेश ने कहा कि उसने कभी नहीं सोचा था कि उसकी शिकायत पर इतना बड़ा कदम उठाया जाएगा। उसने यह भी कहा कि डीएम साहब ने न केवल उसका आत्मसम्मान वापस दिया, बल्कि उसे जीने की एक नई उम्मीद भी दी है।

राष्ट्रीय मतदाता दिवस हमारे जीवंत लोकतंत्र का उत्सव मनाने और प्रत्येक नागरिक को वोट देने के अपने अधिकार का प्रयोग करने के लिए सशक्त बनाने के बारे में है: प्रधानमंत्री

श्री मोदी ने एक्स पर पोस्ट में कहाः 'राष्ट्रीय मतदाता दिवस हमारे जीवंत लोकतंत्र का उत्सव मनाने और प्रत्येक नागरिक को वोट देने के अपने अधिकार का प्रयोग करने के लिए सशक्त बनाने के बारे में है। यह देश के भविष्य को आकार देने में भागीदारी के महत्व पर बल देता है। हम इस संबंध में उनके अनुकरणीय प्रयासों के लिए ईसीआई की सराहना करते हैं।

केन्द्रीय सहकारिता राज्यमंत्री श्री मुरलीधर मोहोल ने 76वें गणतंत्र दिवस पर विशेष अतिथि के तौर पर देश भर से आमंत्रित 200PACS प्रतिनिधियों से नई दिल्ली में संवाद किया

(एजेंसी)।

केन्द्रीय सहकारिता राज्यमंत्री श्री मुरलीधर मोहोल ने 76वें गणतंत्र दिवस पर विशेष अतिथि के तौर पर देशके 13 राज्यों से आए 100 प्राथमिक कृषि ऋण समितियों (PACS) के 200 से ज्यादा प्रतिनिधियों से नई दिल्ली में संवाद किया।इस अवसर पर सहकारिता सचिव श्री आशीष कुमार भूटानी सहित मंत्रालय के अन्य वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे। गणतंत्र दिवस परेड में ढअउर प्रतिनिधियों को विशेष अतिथि के तौर पर निमंत्रित करना ग्रामीण विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है और साथ ही यह PACS को न केवल वित्तीय गतिविधियों बल्कि सामुदायिक कल्याण का केंद्र भी बनाएगा।

कार्यक्रम में गुजरात, महाराष्ट्र, राजस्थान, मध्य प्रदेश, बिहार, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, छत्तीसगढ़, झारखंड, असम, हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्‍मीर से आए प्रतिनिधि शामिल हुए। इन राज्यों के PACS कंप्यूटरीकरण का काम प्रभावी ढंग से जारी है और उनके संबंधित पैक्स कर्मी डिजिटलीकरण का लाभ उठा रहे हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व और केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के मार्गदर्शन में सहकारिता मंत्रालय सहकारी समितियों को बहु-उद्देशीय संस्थानों के रूप में परिवर्तित करने के लिए प्रतिबद्ध है।भारत सरकार अन्‍य हितधारकों जैसे नाबार्ड, राज्य सरकार और सहकारी बैंकों के साथ मिलकर PACS को सहकार से समृद्धि की परिकल्पना को यथार्थ में साकार करने के लिए सशक्त कर रहा है ।यह पहल' प्राथमिक कृषि ऋण समितियों के कंप्यूटरीकरण' की केंद्रीय प्रायोजित परियोजना का हिस्सा है जिसका लक्ष्य देश भर में पैक्स

की पारदर्शिता, कार्यकुशलता और लाभप्रदता में वृद्धि करना है । इस परियोजना द्वारा 67,930 PACS के कंप्यूटरीकरण का लक्ष्य है जिससे तीव्र ऋण संवितरण, प्रत्यक्ष लाभ अंतरण और उन्नत बैंकिंग सेवाओं जैसी वित्तीय सेवाओं की पहुंच में सुधार के साथ-साथ अन्‍न भंडारण, कॉमन सेवा केंद्रों और जन औषधि केंद्रों जैसे गैर-वित्तीय सेवाएं प्रदान की जा सकेंगी । PACS का डिजिटलीकरण ग्रामीण भारत के विकास के लिए महत्वपूर्ण कदम, इससे वित्तीय सेवाओं की पहुंच में सुधार हुआ और पारदर्शिता तथा कार्यकुशलता को बढ़ावा मिला है ।

ढअउर के सुदृढ़ होने से ग्रामीण समुदाय सशक्‍त होंगे और समावेशी विकास की भारतीय परिकल्‍पना साकार होगी । गणतंत्र दिवस परेड के लिए PACS प्रतिनिधियों को दिया गया निमंत्रण ग्रामीण विकास में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका को रेखांकित करता है।

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने महाकुंभ में आने वाले श्रद्धालुओं के लिए, सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के पंडाल में 10 स्टाल के माध्यम से आयोजित की है प्रदर्शनी

महाकुंभ 2025 का आयोजन प्रयागराज उत्तर प्रदेश में 13 जनवरी 2025 से प्रारम्भ होकर 26 फरवरी 2025 तक हो रहा है' महाकुंभ 2025 144 वर्षों के बाद आयोजित हो रहा है'इस महाकुंभ में देश - विदेश से 40 करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु गंगा, यमुना व सरस्वती नदियों के संगम में डुबकी लगाने वाले है'देश के केंद्रीय मंत्रालयों एवं विभागों ने महाकुम्भमें आने वाले संबन्धित श्रद्धालुओं की आवश्यकताओं को ध्यान में रख कर अनेकों प्रदर्शनी आयोजित की हैं'सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकारने एक बड़ी प्रदर्शनी का आयोजन महाकुम्भ में किया है'देश के किसानों की सेवा में सेवारत कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय, भारत सरकारने देश में कृषिरत, किसानों के हितों को ध्यान में रखकर महाकुंभमें आने वाले श्रद्धालुओं के लिए, सूचना

एवं प्रसारण मंत्रालय, भारत सरकार के पंडाल में 10 स्टाल के माध्यम से एक प्रदर्शनी आयोजित की है जिसमें 1स्टॉल राष्ट्रीय बीज निगम लिमिटेड को, 2स्टॉलमधुमक्खी पालन कोएवं 7 स्टाल एफ.पी.ओ को (संदीप फारमर्स प्राइड,मखाना- बिहार, विश्व धारा झ बिहार, कान्टीया खाईवरपुर एफ.पी.ओ. कुन्धियारा एफ. पी. ओ. आनापुर एफ. पी. ओ. एवं मझावन कृषि चेतना एफ.पी.ओ, मिरजापुर) स्टाल आंवटित किए गए हैं। एफ. पी. ओ एवं मधुमक्खीपालन को मंत्रालय द्वारा प्रमोट किए जाने के उद्देश्य से उक्त प्रदर्शनी का आयोजन किया जा रहा है'साथ ही,1 स्टॉल आने वालेखेतीहर श्रद्धालुओं को बीज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से ठकउ को प्रदान किया गया है।उक्त सभी स्टॉल मुफ्त मुहैया कराये गये हैं।इस प्रकार कृषि से सम्बन्धित प्रदर्शनी का लाभ महाकुम्भ में आने वाले श्रद्धालु किसान उठा रहे है'

लोकसभा अध्यक्ष ने भारत के 76वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर देशवासियों को बधाई दी

लोकसभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला ने भारत के 76वें गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर देशवासियों को शुभकामनाएं दी हैं। श्री बिरला ने अपने संदेश में कहा है, "भारत के 76वें गणतंत्र दिवस पर आप सभी को बहुत-बहुत

बधाई एवं शुभकामनाएं। आधुनिक भारत गणराज्य ने 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा पूरी कर ली है। इन वर्षों में हमारा गणतंत्र और अधिक सशक्त एवं समृद्ध हुआ है।

दूरदर्शन के लिए गौरव का क्षणः इलेक्ट्रॉनिक मीडिया (टीवी) श्रेणी में मतदाता जागरूकता के लिए ईसीआई मीडिया पुरस्कार से हुआ सम्मानित

(एजेंसी)।

दूरदर्शन को यह घोषणा करते हुए गर्व हो रहा है कि इसे मतदाता जागरूकता और शिक्षण पर 360-डिग्री व्यापक अभियान के लिए इलेक्ट्रॉनिक मीडिया श्रेणी में प्रतिष्ठित पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। लोकसभा चुनाव 2024 के दौरान शामिल "चुनाव का पर्व देश का गर्व" श्रृंखला, जिसमें सूचित और जिम्मेदार मतदान के महत्व पर प्रकाश डाला गया है, पर दूरदर्शन को उसके प्रभावशाली कवरेज के लिए मान्यता मिली है।

दूरदर्शन महानिदेशक, सुश्री कंचन प्रसाद भारत की राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से सम्मान प्राप्त करती हुई

संसदीय चुनाव 2024 के दौरान देश भर में चलाए गए अभियान ने दूरदर्शन की सूचित और सक्रिय नागरिकता को प्रोत्साहन देने की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया। इसमें शामिल हैः

नवोन्मेषी प्रोग्रामिंगः 30 मतदाता शिक्षा लघु फिल्मों का निर्माण और प्रसारण।

बहुभाषी आउटरीचः डीडी नेशनल, डीडी इंडिया और डीडी न्यूज चैनलों पर व्यापक प्रसार, यह सुनिश्चित करना कि संदेश देश के हर कोने तक पहुंचे।

आकर्षक विज्ञापनः आकर्षक एल-बैंड विज्ञापन, मग ब्रांडिंग और विज्ञापन (45 सेकेंड/ स्पॉट) का उद्देश्य लाखों लोगों को लोकतंत्र में भाग लेने के लिए प्रेरित करना है।

अपने रचनात्मक और समावेशी दृष्टिकोण के माध्यम से, दूरदर्शन ने देश भर के मतदाताओं, विशेष रूप से पहली बार हिस्सा लेने वालों को लोकतांत्रिक प्रक्रिया में योगदान देने के लिए सफलतापूर्वक सशक्त बनाया।

यह सम्मान पाकर दूरदर्शन लोगों की भरोसेमंद आवाज बने रहकर राष्ट्र निर्माण के प्रति अपने समर्पण की पुष्टि करता है।

नौवहन महानिदेशालय और सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग ने समुद्री नवाचार को बढ़ावा देने के लिए समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए

(एजेंसी)।

भारत के समुद्री क्षेत्र में तकनीकी नवाचार और उत्कृष्टता को आगे बढ़ाने के लिए ऐतिहासिक पहल के रूप में, शिपिंग महानिदेशालय (डीजीएस) और इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई) के तहत वैज्ञानिक सोसायटी, सेंटर फॉर डेवलपमेंट ऑफ एडवांस्ड कंप्यूटिंग (सी-डैक) ने ऐतिहासिक कदम उठाते हुए आज व्यापक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए।

एमईआईटीवाई में आयोजित कार्यक्रम में शिपिंग महानिदेशक (डीजीएस) श्री श्याम जगन्नाथन और सी-डैक महानिदेशक श्री ई. मगेश ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर श्री एस. कृष्णन, सचिव, एमईआईटीवाई, श्री अभिषेक सिंह, अपर सचिव, एमईआईटीवाई, श्री संकेत एस भोंडवे, संयुक्त सचिव, एमईआईटीवाई, श्रीमती सुनीता वर्मा,

वैज्ञानिक जी एवं समूह समन्वयक, एमईआईटीवाई, श्रीमती सविता उतरेजा, वैज्ञानिक जी, समूह समन्वयक (साइबर सुरक्षा) और एमईआईटीवाई, डीजी शिपिंग और सी-डैक के अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम ने अत्याधुनिक तकनीक के माध्यम से समुद्री प्रशासन को आधुनिक बनाने के लिए रणनीतिक साझेदारी की शुरूआत की। यह समुद्री उद्योग के कायाकल्प के उद्देश्य से पहल पर सहयोग करने के लिए दोनों संगठनों की प्रतिबद्धता का प्रतीक है।

यह साझेदारी विश्व स्तर पर मान्यता प्राप्त और प्रगतिशील समुद्री प्रशासन होने के डीजीएस के दृष्टिकोण के अनुरूप है। उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग, साइबर सुरक्षा, ब्लॉकचेन और ई-गवर्नेंस में सी-डैक की विशेषज्ञता को एकीकृत करके, इस सहयोग का उद्देश्य हैः

समुद्री प्रक्रियाओं का डिजिटलीकरण और स्वचालन

समुद्री डेटा विश्लेषण और पूर्वानुमानित मॉडलिंग

साइबर सुरक्षा और समुद्री आईओटी

समुद्री शिक्षा और प्रशिक्षण

समुद्री प्रौद्योगिकियों में अनुसंधान और विकास

यह समझौता ज्ञापन प्रौद्योगिकी, सहयोग और नवाचार के माध्यम से समुद्री क्षेत्र में चुनौतियों से निपटने और अवसरों का लाभ उठाने के लिए प्रगतिशील दृष्टिकोण का प्रतीक है।

अवकाश की सूचना

26 जनवरी गणतंत्र दिवस के अवसर पर कार्यालय में अवकाश होने के कारण 27 जनवरी का समाचार पत्र नहीं मिलेगा। अगला समाचार पत्र 28 जनवरी, मंगलवार के दिन प्राप्त हो सकेगा

– सम्पादक

सम्पादकीय

सैफ के जल्द ठीक होने पर उठे सवाल

चाकू से हमले में घायल होने के बाद अभिनेता सैफ अली खान ठीक होकर अस्पताल से घर लौट चुके हैं। लेकिन अब उनके इतनी गंभीर चोटों से इतनी जल्दी फिट होने पर ही सवाल खड़े होने लगे हैं। लोग पीठ में इतने गहरे घाव के बाद इतनी जल्दी वैसे चलने लगे और इतने फिट वैसे हो सकते हैं प्राश्न पूछ रहे हैं? सवाल करने वालों में महाराष्ट्र के मंत्री और सरकार में शामिल शिवसेना के नेता हैं। महाराष्ट्र में फडणवीस सरकार के मंत्री और भाजपा नेता नितेश राणे ने सैफ अली खान पर सवाल उठाते हुए पूछा है कि क्या उन पर सच में चाकू से हमला हुआ था या फिर वह सिर्प एक्टग कर रहे थे। इससे पहले शिव सेना नेता संजय निरुपम ने भी कहा था कि सैफ अली खान पांच दिन में इतने फिट वैसे हो गए? सैफ अली खान पर हमले के आरोप में पुलिस ने ठाणे से अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। अभियुक्त का नाम मोहम्मद शरीपुल इस्लाम शहजाद बताया गया है। साथ ही पुलिस ने अभियुक्त के बांग्लादेशी होने का भी संदेह जाहिर किया था। महाराष्ट्र सरकार में पोर्टस एंड फिशरीज मंत्रालय का जिम्मा संभालने वाले नितेश राणे ने बुधवार को एक सभा को संबोधित करते हुए कहा— देखिए बांग्लादेशी बांग्लादेशी मुंबई में क्या कर रहे हैं। वे सैफ अली खान के घर में घुस गए। पहले वो सड़क-चौराहे पर खड़े हुए चोरी करते थे, अब ये लोग घरों में घुसने लगे हैं, हो सकता है कि वह उन्हें (सैफ) ले जाने आया हो, अच्छा है। नितेश राणे ने कहा— मैंने उन्हें अस्पताल से बाहर निकलते देखा। मुझे संदेह हुआ कि उन पर चाकू से हमला हुआ था या वह एक्टग कर रहे थे। वो चल रहे थे तो डांस कर रहे थे। जब भी शाहरुख खान या सैफ अली खान जैसे किसी खान को चोट आती है तो हर कोई उनके बारे में बात करना शुरू कर देता है, उधर शिवसेना नेता संजय निरुपम ने सैफ अली खान की रिकवरी के बारे में सवाल किया कि क्या मेडिकल सेक्टर ने इतनी तरक्की कर ली है कि हमले के बाद सैफ वूदते-डांस करते हुए घर पहुंच गए। उन्होंने समाचार एजेंसी एएनआई से कहा, जब उन पर (सैफ) हमला हुआ था तब डाक्टरों ने बताया था कि उनकी पीठ में ढाई इंच का चाकू घुस गया था। डाक्टरों ने ये भी बताया कि छह घंटे तक ऑपरेशन चला। उसके बाद ऑटो वाले ने बताया कि लहुलुहान अवस्था में ये स्ट्रैचर पर अस्पताल पहुंचाए गए थे। संजय निरुपम ने पूछा— मेडिकल सेक्टर इतना तरक्की कर गया है कि चार दिन बाद मैं देखता हूं कि सैफ अली खान साहब एकदम उछलते-वूदते अपने घर लौट आते हैं। मेरे मन में सवाल उठा कि क्या सैफ फिजीकली इतने फिट हैं, उसकी वजह से इतना फास्ट रिकवर किया? या वह जिम जाते हैं इसलिए रिकवर किया इतना फास्ट? या कोई और कारण है। निरुपम ने कहा कि परिवार को इस हमले के बारे में सामने आकर सभी बातें बतानी चाहिए। हमले के बाद ऐसा माहौल बनाया गया कि पूरे मुंबई में कानून व्यवस्था पेल हो चुकी है। जबकि चार दिन बाद सैफ अली खान जिस तरह से बाहर आए उसे देखकर ऐसा लगा ही नहीं कि वुछ हुआ था। सैफ पर हमले में मुंबई पुलिस रोज-रोज बयान बदल रही है। अब तक तीन अभियुक्तों के बारे में कहानी आ चुकी है। ताजा उदाहरण मोहम्मद शरीपुल इस्लाम शहजाद का है। इस शख्स की न तो शक्ल ही सीसीटीवी में दिखाए गए व्यक्ति जो 2.32 मिनट पर भागता दिखा, उससे मिलती है और न ही कद काठी। देखने से तो यही लगता है कि सैफ इससे ज्यादा फिट हैं। मुंबई पुलिस या तो सच्चाई बता नहीं रही है या फिर सच्चाई को ढकने की कोशिश कर रही है। सैफ और उनका परिवार भी खुलकर सामने नहीं आ रहा है।

रक्षा मंत्री और शिक्षा मंत्री ने वीर गाथा 4.0 के सुपर-100 विजेताओं को सम्मानित किया

सुपर-100 विजेताओं में 66 लड़कियां शामिल, लड़कियों ने बाजी मारी

युवा भारत के भविष्य के नायक हैं, 2047 तक भारत को 'विकसित भारत'बनाने में प्रमुख भूमिका निभाएंगे: श्री राजनाथ सिंह

वीर गाथा देशभक्ति, साहस और राष्ट्रीय गौरव के मूल्यों को बढ़ावा देती है, छात्रों को राष्ट्र की प्रगति में योगदान देने के लिए प्रेरित करती है: श्री धर्मेंद्र प्रधान

नई दिल्ली, (एजेंसी)। रक्षा मंत्री श्री राजनाथ सिंह और शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने 25 जनवरी, 2025 को नई दिल्ली में वीर गाथा 4.0 के सुपर-100 विजेताओं को सम्मानित किया। 100 विजेताओं में से 66 देश के विभिन्न हिस्सों की लड़कियां हैं। सम्मान समारोह के दौरान, प्रत्येक विजेता को 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार, एक पदक और एक प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। ये सुपर-100 लगभग 10,000 विशेष अतिथियों में से हैं, जो 26 जनवरी, 2025 को कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड देखेंगे।

अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने विजेताओं को बधाई दी और युवाओं को देश के वीरों के गौरवशाली इतिहास से जोड़ने के वीर गाथा के उद्देश्य को प्राप्त करने की दिशा में रक्षा मंत्रालय और शिक्षा मंत्रालय के संयुक्त प्रयासों की सराहना की। उन्होंने परियोजना के इस चौथे संस्करण में 1.76 करोड़ से अधिक छात्रों की अखिल भारतीय भागीदारी को स्वीकार करते हुए कहा कि यह शिक्षा के माध्यम से वीरों को पहचान प्रदान कर रहा है। उन्होंने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले छात्रों की बुद्धिमत्ता, उत्साह और देशभक्ति की सराहना की।

वीर गाथा 4.0 के सुपर-100 विजेताओं में से दो तिहाई लड़कियों के होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए श्री राजनाथ सिंह ने मणिपुर की 10वीं कक्षा की छात्रा 'नेमनेनेंग' का विशेष उल्लेख किया, जिसने बचपन में ही अपने माता-पिता को खो दिया था। रक्षा मंत्री ने अनेक कठिनाइयों के बावजूद अपनी पढ़ाई न छोड़ने और विजेताओं में स्थान पाने के लिए उसकी दृढ़ता की सराहना की।

इस अवसर पर उपस्थित छात्रों को 'हीरो'का सही अर्थ समझाते हुए रक्षा मंत्री ने कहा कि हीरो राष्ट्र के उत्थान के लिए काम करता है; जिसका काम समाज को एक नई दिशा देता है। उन्होंने कहा कि युवा भारत के भविष्य के नायक हैं और वे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा 2047 तक भारत को 'विकसित भारत' बनाने में प्रमुख भूमिका निभाएंगे।

"प्रधानमंत्री के गतिशील नेतृत्व के कारण वैश्विक मंच पर भारत का कद बढ़ा है। आज जब हम किसी अंतरराष्ट्रीय मंच पर बोलते हैं, तो पूरी दुनिया सुनती है। यह हमारे बहादुर सैनिकों, वैज्ञानिकों और युवा उत्साही दिमागों सहित हर भारतीय की कड़ी मेहनत के कारण संभव हुआ है। हमारे पास लगभग 50 करोड़ युवाओं की एक बड़ी आबादी है। ऐसे रचनात्मक दिमाग वाला देश कैसे विकसित नहीं हो सकता? " श्री राजनाथ सिंह ने छात्रों से पूछा।

रक्षा मंत्री ने उन्हें स्वतंत्रता सेनानी भगत सिंह, चंद्रशेखर आजाद, अशफाकउल्ला खान और साहसी सैनिकों जैसे बहादुरों से प्रेरणा लेते रहने के लिए प्रेरित किया, जिनकी बहादुरी और बलिदान को कभी नहीं भुलाया जा सकेगा। उन्होंने राष्ट्रीय गौरव की भावना को किसी भी देश के विकास के लिए सबसे महत्वपूर्ण पहलू बताया।

श्री राजनाथ सिंह ने छात्रों को प्रोत्साहित किया कि वे चुनौतियों का सामना करने में न घबराएँ और आत्मविश्वास और अच्छे इरादे के साथ अपने लक्ष्यों की ओर आगे बढ़ते रहें। उन्होंने छात्रों से आग्रह किया कि वे अपने दिल में अहंकार की भावना को कभी न आने दें, भले ही वे बड़ी ऊँचाइयों को छू लें। उन्होंने कहा कि हमेशा विनम्र और सादा रहना ही कुंजी है।

इस अवसर पर बोलते हुए शिक्षा मंत्री श्री धर्मेंद्र प्रधान ने इस बात पर जोर दिया कि वीर गाथा जैसी पहल स्कूली छात्रों को शौर्य और वीरता पुरस्कार विजेताओं की वीरता और बलिदान के बारे में शिक्षित करती है और साथ ही युवा दिमाग की रचनात्मकता को बढ़ावा देती है। उन्होंने 2.5 लाख से अधिक स्कूलों के 1.76 करोड़ छात्रों की रिकॉर्ड तोड़ भागीदारी पर प्रकाश डाला, जिन्होंने ड्राइंग, पेंटिंग और निबंध लेखन जैसी गतिविधियों में भाग लिया और देश के लिए उनकी अपार सेवा और बलिदान के लिए नायकों को भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

शिक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि यह पहल देशभक्ति, साहस और राष्ट्रीय गौरव के मूल्यों को विकसित करने में मदद करेगी, जिससे छात्रों को राष्ट्र की प्रगति में योगदान देने के लिए प्रेरणा मिलेगी। वीरता पुरस्कार विजेताओं के प्रति उत्साह और सम्मान के साथ भाग लेने वाले प्रत्येक छात्र को बधाई देते हुए, उन्होंने सुपर-100 पुरस्कार विजेताओं की उनकी सफलता की सराहना की। उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए उन्होंने कहा कि उनका उत्साह और रचनात्मकता जीवन में उनके लिए बहुत उपयोगी साबित होगी।

कार्यक्रम के दौरान परमवीर चक्र विजेता सूबेदार मेजर संजय कुमार ने 1999 के कारगिल युद्ध से जुड़े अपने प्रेरक अनुभव साझा किए और छात्रों से अपने जीवन में वीरता, निस्वार्थता और ईमानदारी के मूल्यों को अपनाने का आग्रह किया। उन्होंने युवा प्रतिभागियों को प्रेरित करते हुए कहा, "सच्ची बहादुरी केवल युद्ध में ही नहीं बल्कि रोजमर्रा की जिंदगी में सही के लिए खड़े होने में भी निहित है।"

इस कार्यक्रम में रक्षा राज्य मंत्री श्री संजय सेठ, चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ जनरल अनिल चौहान, नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी, वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह, स्कूल शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के सचिव श्री संजय कुमार, सचिव (रक्षा उत्पादन) श्री संजीव कुमार, रक्षा अनुसंधान एवं विकास विभाग के सचिव और डीआरडीओ के अध्यक्ष डॉ. समीर वी कामत, उप सेना प्रमुख लेफ्टिनेंट जनरल एनएस राजा सुब्रमणि और अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

महाकुंभ 2025: अकचैटबॉट का नया अवतार श्रद्धालुओं को 1 किमी के दायरे में पार्किंग, फूड कोर्ट और अस्पतालों के बारे में जानकारी देगा

एआई चैटबॉट तीन नई विशेषताओं के साथ महाकुंभ का सटीक मानचित्रण करके प्रत्येक सेक्टर क्षेत्र की व्याख्या करेगा संक्षिप्त जानकारी के साथ वास्तविक समय पीडीएफ और भक्तों के साथ साझा किए जाने वाले गूगल मैप लिंक

क्यूआर स्कैन से शौचालय, प्रदर्शनी और खोया-पाया केंद्रों तक तुरंत पहुंच, बैंकिंग, सार्वजनिक जल एटीएम, आयोजनों, आकर्षणों और परिवहन जानकारी के लिए अब भटकना नहीं पड़ेगा

प्रविष्टि तिथिः 25 खअठ 2025 7:25ढट्ु८ ढक्ष ऊै

महाकुंभ 2025 में आने वाले श्रद्धालुओं को अब सेवाओं या जानकारी की तलाश में इधर-उधर जाने की जरूरत नहीं पड़ेगी। चैटबॉट के नए अवतार को श्रद्धालुओं की सहायता के लिए तीन अतिरिक्त विशेषताओं के साथ तैयार किया गया है। अक आधारित चैटबॉट श्रद्धालुओं के 1 किलोमीटर के दायरे में पार्किंग, फूड कोर्ट और अस्पतालों के बारे में सटीक जानकारी देगा।

महाकुंभ मानचित्रण एवं सेक्टर मार्गदर्शन सहायता

एआई चैटबॉट न केवल महाकुंभ की पूरी मैपिंग उपलब्ध कराएगा बल्कि गूगल मैप लिंक के साथ प्रत्येक सेक्टर के बारे में विशिष्ट विवरण भी साझा करेगा। अपर मेला अधिकारी श्री विवेक चतुर्वेदी ने बताया कि इस चैटबॉट के माध्यम से श्रद्धालु पार्किंग, परिवहन, बैंकिंग, सार्वजनिक वाटर एटीएम और अन्य सेवाओं के बारे में सेकंडों में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

वास्तविक समय पीडीएफ और क्यूआर स्कैन सुविधा

चैटबॉट के जरिए, श्रद्धालु अपनी पसंद के अनुसार शौचालय, खोया-पाया केंद्र, प्रदर्शनियों और अन्य जरूरी स्थानों के बारे में जानकारी वाली रीयल-टाइम पीडीएफ डाउनलोड कर सकते हैं। क्यूआर कोड को स्कैन करने से मोबाइल पर सीधे प्रमुख स्थानों के बारे में जानकारी मिल जाएगी।

प्रौद्योगिकी और आस्था का संगम दुनिया के सबसे बड़े आयोजन को एक सहज अनुभव बनाता है

लाखों श्रद्धालु पहले ही इस अक चैटबॉट का उपयोग कर चुके हैं। अपने प्रभावी और उपयोगकर्ता के लिए अनुकूल डिजाइन के साथ, यह महाकुंभ में आने वालों के लिए सुविधा को और बढ़ा रहा है। इस चैटबॉट के माध्यम से प्रौद्योगिकी और आस्था का विलय दुनिया के सबसे बड़े धार्मिक समागम को सरल और अधिक व्यवस्थित बना रहा है। यह न केवल जानकारी प्रदान करता है बल्कि यह भक्तों के समग्र अनुभव को भी बढ़ाता है।

अध्यात्म और भारतीय संस्कृति संग देशभक्ति की त्रिवेणी में भी लगेगी डुबकी

गणतंत्र दिवस पर 'संगम की रेती' में दिखेगा देशभक्ति का भी नजारा

सांस्कृतिक महाकुम्भ के 11वें दिन बॉलीवुड सिंगर साधना सरगम गंगा पंडाल पर देंगी प्रस्तुति

शास्त्रीय-उपशास्त्रीय विधा के कलाकारों की प्रस्तुति से आनंद गंगा में डुबकी लगाएंगे श्रोता

महाकुम्भ-2025 में 16 जनवरी से 'संस्कृति का महाकुम्भ' प्रारंभ हो चुका है। इसके 11वें दिन गणतंत्र दिवस पर अध्यात्म व भारतीय संस्कृति के साथ देशभक्ति की त्रिवेणी में भी श्रोता डुबकी लगाएंगे। संस्कृति विभाग की तरफ से 26 जनवरी को भी चारों पंडाल (गंगा, यमुना, सरस्वती व त्रिवेणी) में प्रस्तुतियां होंगी। गंगा पंडाल पर मुख्य कार्यक्रम बॉलीवुड सिंगर साधना सरगम का होगा, जिनके गीतों का आनंद दर्शक उठाएंगे।

गणतंत्र दिवस पर होंगे विविध आयोजन

26 जनवरी को गणतंत्र दिवस पर महाकुम्भ में देशभक्ति से जुड़े भी विविध आयोजन होंगे। एक तरफ जहां फरुआही, बिरहा, आल्हा के जरिए उत्तर प्रदेश की ग्रामीण संस्कृति से देश-विदेश के श्रद्धालु परिचित होंगे तो वहीं कुचुपुड़ी, वायलिन, शास्त्रीय गायन-वादन-नृत्य की आनंद गंगा में भी गोते लगाएंगे। गणतंत्र दिवस पर होने वाले आयोजन को अविस्मरणीय बनाने की तैयारी संस्कृति विभाग ने कर ली है।

गणतंत्र दिवस पर होने वाले मुख्य आयोजन

गंगा पंडाल

साधना सरगम- बॉलीवुड सिंगर

दीपिका रेड्डी (हैदराबाद)- कुचुपुड़ी

श्री कला रामनाथ (महाराष्ट्र)- वायलिन- संगीत अकादमी अवार्डी

त्रिवेणी पंडाल

स्नेहलता मिश्रा (दिल्ली)- शास्त्रीय/उपशास्त्रीय गायन

रविशंकर उपाध्याय (दिल्ली) - शास्त्रीय/उपशास्त्रीय वादन (पखावज वाद्यवृंद)

कांतिका मिश्रा (लखनऊ) शास्त्रीय/उपशास्त्रीय नृत्य (कथक)

आशुतोष पांडेय (कानपुर)- भजन, यमुना पंडालः

आभा-विभा चौरसिया (मध्य प्रदेश)- हिंदुस्तानी वोकल

सुश्री प्रिय वेंकटरामन (दिल्ली)-भरतनाट्यम

संदीप मलिक-कथक

राजन तिवारी (बनारस)- भजन

ओमकार नाथ अवस्थी (उन्नाव)- आल्हा

सुदर्शन यादव (चंदौली)- बिरहा

प्रतिमा यादव (अंबेडकरनगर)- अवधी गायन

रामहित (गोरखपुर)- फरुवाही

रजनीश (पीलीभीत)- थारू जनजाति

सरस्वती पंडाल

अशोक भांतिया (मुंबई)- माधव नाटक का मंच

मनोज यादव (लखनऊ)- भजन

अखिलेश मिश्र (लखनऊ)- भजन

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 76वें गणतंत्र दिवस के शुभ अवसर पर 'वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम' (वीवीपी) के गांवों से पधारे विशिष्ट अतिथियों के साथ नई दिल्ली में आत्मीय संवाद किया

'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम' से Physical U Digital कनेक्टिविटी के साथ-साथ दिलों की कनेक्टिविटी भी बढ़ रही है

मोदी जी ने लद्दाखवासियों को सर्दियों के दौरान डीजल के जम जाने की समस्या से दिलाई मुक्ति

'वाइब्रेंट विलेज प्रोग्राम' से सीमावर्ती गाँवों का इंफ्रास्ट्रक्चर, संस्कृति, पर्यटन, जीवन और आर्थिक उन्नति देश के बाकी हिस्से जितनी ही वाइब्रेंट होगी

वायब्रेंट विलेजेज से आए विशेष अतिथि अपने गांव में यह संदेश जरूर दें कि उनके प्रधानमंत्री के मन में देश के पहले गाँवों के लोगों के प्रति बहुत प्यार है

वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के तहत कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, ऊर्जा, कोऑपरेटिव और खादी ग्रामोद्योग आदि की 556 करोड़ रूपए लागत वाली योजनाएं बनाई गई हैं

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने 76वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर "वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम" के गांवों से पधारे विशिष्ट अतिथियों के साथ नई दिल्ली में आत्मीय संवाद किया। इस अवसर पर केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री श्री जे पी नड्डा, केन्द्रीय संसदीय कार्यमंत्री श्री किरण रिजीजू, केन्द्रीय जनजातीय कार्य मंत्री श्री जुएल ओरांव, केन्द्रीय गृहराज्य मंत्री श्री नित्यानंद राय, केन्द्रीय गृह सचिव श्री गोविन्द मोहन, सचिव, सीमा प्रबंधन डॉ. राजेन्द्र कुमार, निदेशक, आसूचना ब्यूरो और महानिदेशक, भारत तिब्बत सीमा पुलिस (क्ळइढ) सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

अपने संबोधन में केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह ने कहा कि वायब्रेंट विलेज कार्यक्रम एक अप्रोच और दृष्टिकोण के बदलाव की शुरूआत है। यह कार्यक्रम वायब्रेंट विलेज और दिल्ली के बीच दिल की दूरी समाप्त करने का कार्यक्रम है और दुर्गम और सीमांत क्षेत्रों में रहने वाले गांवों के लोगों के मन में यह भाव जगाता है कि हम सब भारत का ही हिस्सा हैं और पूरा भारत हमारी चिंता करता है। उन्होंने कहा कि जब देश

का प्रधानमंत्री देश के प्रथम गांव में रहने वाले हर व्यक्ति को निमंत्रण भेजकर देश के राष्ट्रीय उत्सव में बुलाता है और उसकी मेजबानी करता है, तो मन की संवेदनाओं से दिल की दूरी समाप्त हो जाती है। श्री शाह ने कहा कि पिछले 4 वर्षों से लगातार राष्ट्रीय उत्सवों पर अलग अलग गांवों के प्रतिनिधियों को यहां आमंत्रित किया जाता है। उन्होंने कहा कि हर वर्ष यहां आने वाले लोगों को देश के प्रधानमंत्री जी के विशेष अतिथि के रूप में सम्मान सहित राष्ट्रीय उत्सव में शामिल होने का मौका मिलता है। यह देश के प्रथम गावों के प्रति बदले हुए दृष्टिकोण का परिचायक है।

श्री अमित शाह ने कहा कि 2014 में श्री नरेन्द्र मोदी जी के प्रधानमंत्री बनने के बाद देश के विकास की एक सर्वस्पर्शीय और समावेशी परिकल्पना अस्तित्व में आई, जिसके तहत इस प्रकार से विकास हो जो देश के हर नागरिक और क्षेत्र को स्पर्श करे। उन्होंने उदाहरण देते हुए कहा कि लद्दाख में सबसे बड़ी समस्या सर्दियों में डीजल के जमने की होती थी। प्रधानमंत्री मोदी जी के निर्देश पर भारत सरकार की तेल कंपनियों को न जमने वाले डीजल के लिए शोध और अनुसंधान के लिए बजट दिया गया। आज लद्दाख में न जमने वाला डीजल उपलब्ध करा दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह तभी हो सकता है जब इन क्षेत्रों की समस्याओं पर कोई ध्यान देता है। गृह मंत्री ने कहा कि 2017 में एक निर्णय लिया गया कि सेना सहित सभी सुरक्षा बल, दूध, अंडे, मछली और सब्जियां सीमांत गांवों से ही खरीदेंगे जिससे वहां रोजगार के साधन उपलब्ध होंगे।

केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम, संपूर्ण विकास का एक मल्टीडायमेंशनल और मल्टी-सेक्टोरल कार्यक्रम है। गांवों का इन्फ्रास्ट्रक्चर, कल्चर, पर्यटन, जीवन और आर्थिक उन्नति भी देश के बाकी हिस्सों जितनी ही वायब्रेंट होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि जब हम संपूर्ण विकास के साथ आगे बढ़ते हैं तब सिर्फ वर्तमान ही वायब्रेंट नहीं होगा बल्कि आने वाली पीढ़ियां भी अच्छे वातावरण में जी सकेंगी।

श्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने 15 फरवरी, 2023 को इस कार्यक्रम की घोषणा की थी और देश की उत्तरी सीमा से सटे 46 ब्लॉक के 662 गांवों को इसमें समाहित किया गया। योजना बनने के बाद केन्द्र सरकार के 22 से अधिक मंत्रियों ने 8 ज़िलों और 26 गांवों का दौरा किया और वहां की स्थानीय कठिनाइयों और वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के अमल में आने वाली जमीनी दिक्कतों को सामने लाने का काम किया। उन्होंने कहा कि इसके अलावा 92 वरिष्ठ अधिकारियों ने 259 गांवों का दौरा किया है और इस प्रकार लगभग हर गांव को स्पर्श करने का प्रयास किया गया है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि वाइब्रेंट विलेज कार्यक्रम के अमल के रास्ते में आ रही 662 गावों की समस्याओं को देखकर इनकी रिपोर्ट गृह मंत्रालय के पास भेजी गई। इस रिपोर्ट के आधार पर 626 परियोजनाएं बनाई गईं। इसी प्रकार रोजगार से जुड़ी 901 परियोजनाएं शुरू की गईं। इनके साथ-साथ कृषि, शिक्षा, स्वास्थ्य, ऊर्जा, कोऑपरेटिव और खादी ग्रामोद्योग आदि की 556 करोड़ रूपए लागत वाली योजनाएं बनीं। श्री शाह ने कहा कि 2400 करोड़ रूपए के खर्च से 113 सड़कें और 8 लो सस्पेंशन ब्रिज बनाए गए और जून, 2025 तक 362 गावों में 4जी कनेक्टिविटी उपलब्ध होगी। उन्होंने कहा कि 662 गावों में से 474 गांवों में ऑनग्रिड और 127 गांवों में ऑफग्रिड इलेक्ट्रिफिकेशन हो चुका है और 238 करोड़ रूपए से 43 नई विद्युत परियोजनाएं बनाई गई हैं। गृह मंत्री ने कहा कि 48 करोड़ रूपए की लागत से 102 परियोजनाओं से व्यू पॉइंट, एडवेंचर टूरिज्म, इकोरिजॉर्ट और पर्यटन केन्द्रों का विकास किया गया है। पहले 662 में से 570 गांवों में बैंक नहीं थे, मोदी सरकार ने ऐसे गांवों को बैंक से जोड़ने का काम भी किया है।

श्री अमित शाह ने कहा कि मोदी सरकार ने वाइब्रेंट विलेज में रहने वाले लोगों के अच्छे जीवन के लिए सारी प्राथमिक सुविधाएं उपलब्ध कराने का काम किया है। प्रधानमंत्री मोदी जी के नेतृत्व में Bottom To Top अप्रोच के साथ सरकारी योजनाओं का शत प्रतिशत सैचुरेशन प्राप्त कर Physical, Digital और दिलों की Conectivity को जोड़ने का मन से प्रयास किया गया है। गृह मंत्री ने वायब्रेंट विलेज से आए अतिथियों से कहा कि वे अपने गांव वापस जाकर यह संदेश जरूर दें कि उनके द्वारा चुने गए प्रधानमंत्री मोदी जी के मन में वायब्रेंट विलेज के लोगों के प्रति बहुत प्यार है।

रोड टू गेम जैम के जरिए भारत की रोमांचकारी गेम डेवेलपर कम्युनिटी का हिस्सा बनिए और वेव्ज के लिए भारत की सबसे बेहतरीन गेम डेवेलपर टीम बनिए

जीडीएआई, आईजीडीसी और केजीईएन (ङत्रीठ) आपके सपने साकार करने के लिए देश भर की प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने का आश्वासन दे रहे हैं

प्रतिभाशाली डेवेलपर्स की टीम को अपने क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करने और वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंटरटेनमेंट समिट में अपने गेम दिखाने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है

रोड टू गेम जैम के लिए पंजीकरण फिर से शुरूः 1 फरवरी तक आवेदन करें, 16 फरवरी तक जमा करें, परिणामों की घोषणा 16 मार्च को होगी

वेव्ज क्रिएट इन इंडिया चैलेंज के तहत देश भर के गेम डेवेलपर्स को एकजुट कर रहे रोड टू गेम जैम में 1,622 कॉलेजों में 5,400 से ज्यादा पंजीकरण

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

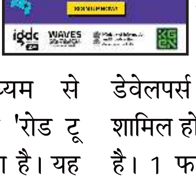

गेम डेवेलपर एसोसिएशन ऑफ इंडिया (जीडीएआई) ने अपने प्रमुख कार्यक्रम, इंडिया गेम डेवेलपर कॉन्फ्रेंस (आईजीडीसी) के माध्यम से केजीईएन के साथ मिलकर 'रोड टू गेम जैम' का आयोजन किया है। यह पहल भारत सरकार के वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंटरटेनमेंट समिट (वेव्ज) के अंतर्गत क्रिएट इन इंडिया चैलेंज सीजन 1 के तहत चुनौतियों में शुमार है। इसका उद्देश्य अत्याधुनिक नवाचार और रचनात्मकता प्रदर्शित करते हुए भारत के गेम डेवेलपर्स को गेमिंग उद्योग के भविष्य को आकार देने की दिशा में सशक्त बनाना है।

रोड टू गेम जैम गेम डेवेलपर्स को इस रोमांचकारी पहल में शामिल होने का एक और मौका दे रहा है। 1 फरवरी 2025 तक पंजीकरण खुले रहने के चलते इच्छुक डेवेलपर्स अब गेम डिजाइन में अपनी प्रतिभा और रचनात्मकता का प्रदर्शन कर सकते हैं। जमा कराने की नई अंतिम तिथि अब 16 फरवरी 2025 है, जिसके परिणाम 16 मार्च 2025 को घोषित किए जाएंगे।

यदि आप पहले राउंड से चूक गए हैं, तो अब इसमें शामिल होने और अपने गेम-मेकिंग कौशल का प्रदर्शन करने का यह उपयुक्‍त अवसर है। भारत की गेम डेवलपमेंट कम्युनिटी में नवाचार और उत्कृष्टता को बढ़ावा देने वाले इस राष्ट्रीय मंच का हिस्सा बनने के अवसर को हाथ से न जाने दें।

RNI No. GUJGUJ/2011/39228 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By (1) JIGNESH RASHIKBHAI GAJJAR at Vansh Corporation, A/8, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad - 380 004.
(2) DESAI RAHUL MAHESHBHAI at Bhavani Offset, Bhatiya Ni Wadi, Opp Kalupur Railway Station, Kalupur, Ahmedabad-380 002. and Published from TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005. Editor : AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI

पीएम गतिशक्ति के तहत नेटवर्क प्लानिंग ग्रुप की 86वीं बैठक में मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी के लिए चार रेल और सड़क परियोजनाओं का मूल्यांकन किया गया

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (DPIIT) के संयुक्त सचिव श्री ई. श्रीनिवास की अध्यक्षता में नेटवर्क प्लानिंग ग्रुप (ठढ्ढ) की 86वीं बैठक में पीएम गतिशक्ति के सिद्धांतों के अनुरूप चार परियोजनाओं (2 रेलवे और 2 राजमार्ग विकास परियोजनाएं) का मूल्यांकन किया गया। सड़क और रेल क्षेत्रों में बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के मूल्यांकन के लिए 24 जनवरी 2025 को बैठक बुलाई गई थी।

एनपीजी एनएमपी मल्टीमॉडल इंफ्रास्ट्रक्चर के एकीकृत विकास, आर्थिक और सामाजिक नोड्स के लिए कनेक्टिविटी, इंटरमॉडल कनेक्टिविटी और समन्वित परियोजना कार्यान्वयन पर केंद्रित है। इन परियोजनाओं से लॉजिस्टिक दक्षता को बढ़ावा देने, यात्रा के समय को कम करने और जिन क्षेत्रों में वे काम करती

हैं, उन्हें पर्याप्त सामाजिक-आर्थिक लाभ प्रदान करके क्षेत्र में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है।

इन परियोजनाओं के पूरा होने पर भारत के बुनियादी ढांचे के नेटवर्क को मजबूतहोने की उम्मीद है जिससे यह सुनिश्चित होगा कि निर्बाध कनेक्टिविटी का लाभ देश के हर हिस्से तक पहुंचे।

इन परियोजनाओं का मूल्यांकन और अपेक्षितप्रभाव निम्नलिखितहै।

क. रेल मंत्रालय की परियोजनाएं (एमओआर)

वडोदरा और रतलाम के बीच चौगुना विस्तार (258.94 किमी)

यह परियोजना वडोदरा (गुजरात) और रतलाम (मध्य प्रदेश) के बीच मौजूदा मार्ग के साथ-साथ 258.94 किलोमीटर लंबी तीसरी और चौथी रेलवे लाइन जोड़ेगी जिससे पश्चिमी रेलवे के सबसे व्यस्त कॉरिडोर में से एक पर भीड़भाड़ कम होगी। माल ढुलाई और यात्री क्षमता को बढ़ाकरइससे देरी कम होने और महत्वपूर्ण औद्योगिक और बंदरगाह केंद्रों से संपर्क में सुधार होने की उम्मीद है। यह मुंबई-नई दिल्ली कॉरिडोर और गुजरात और मध्य प्रदेश जैसे प्रमुख मार्गों को जोड़कर मल्टीमॉडल एकीकरण को भी मजबूत करेगा।

मुरारई-बरहरवा तीसरी लाइन (48.9 किमी)

पश्चिम बंगाल और झारखंड में 48.9 किलोमीटर तक फैली इस ब्राउनफील्ड रेलवे परियोजना का उद्देश्य भीड़भाड़ वाले गलियारे में बढ़ती यात्री और माल ढुलाई की मांग को पूरा करना है। मौजूदा खंड 134% से अधिक क्षमता पर काम कर रहा है, जो कोयला, लौह अयस्क, उर्वरक और अन्य थोक वस्तुओं ढुलाई करताहै। तीसरी लाइन के जुड़ने से प्रतीक्षा समय मेंकमीआयेगी, ट्रेन की समयबद्धता में सुधार होगा और समग्र रसद दक्षता में वृद्धि होगी।

महाकुंभ 2025: प्रयागराज में प्रधानमंत्री जन औषधि केंद्र तीर्थ यात्रियों के लिए सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाइयां की उपलब्धता और जागरूकता सुनिश्चित कर रहे हैं

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

भारत सरकार की प्रधानमंत्री भारतीय जन औषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) के अंतर्गत महाकुंभ नगर में पांच जन औषधि केंद्र स्थापित किए गए हैं जिसमें से एक कलाग्राम में स्थित है। ये केंद्र महाकुंभ मेले की पूरी अवधि के दौरान काम करते रहेंगे। इन केंद्रों का उद्देश्य तीर्थयात्रियों को सस्ती और गुणवत्तापूर्ण दवाओं की उपलब्धता और जागरूकता सुनिश्चित करना है।

भारत सरकार के फार्मास्यूटिकल्स विभाग के फार्मास्यूटिकल एंड मेडिकल डिवाइसेस ब्यूरो ऑफ इंडिया (पीएमबीआई) के सीईओ श्री रवि दाधीच ने आज प्रयागराज में जन औषधि स्टॉल और अन्य जन औषधि केंद्रों का जायजा लिया। उन्होंने बताया कि, जन औषधि केंद्रों से दवाइयां खरीदने पर लोगों को 50 से 90 प्रतिशत तक की बचत होती है। इस

दौरान उन्होंने वहां आने वालों और केंद्र संचालकों से पीएमबीजेपी की उपयोगिता और लाभों पर चर्चा की।

सीईओ ने बताया कि उत्तर प्रदेश में 2,633 जन औषधि केंद्र कम के रहे हैं जिसमें से 62 केंद्र प्रयागराज में कार्यरत हैं। देश भर में जन औषधि योजना के तहत 15,000 से अधिक केंद्र खोले गए हैं, जिसमें प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर 25,000 केंद्र खोलने का लक्ष्य है। इस वर्ष इन केंद्रों के माध्यम से दवाओं की बिक्री का लक्ष्य 2,000 करोड़ रुपये है जिसमें से 1,500 करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री पहले ही की जा चुकी है। उन्होंने महाकुंभ श्रद्धालुओं के लिए पिन-कोड आधारित प्रणाली के माध्यम से निकटतम जन औषधि केंद्र खोजने की प्रक्रिया को समझाया और उन्हें सस्ती दवाओं की उपलब्धता के बारे में जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान श्री दाधीच ने मीडिया प्रतिनिधियों के सवालों के जवाब भी दिए और जन औषधि योजना का समर्थन करने के लिए मीडिया का आभार व्यक्त किया।

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने यूपीएससी सीएसई 2020 परिणाम के बारे में भ्रामक दावा करने के लिए एक कोचिंग सेंटर पर ₹ 3 लाख का जुमार्ना लगाया

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने यूपीएससी सीएसई 2020 के परिणाम के संबंध में भ्रामक दावा करने के लिए विजन आईएएस पर 3 लाख रुपये का जुमार्ना लगाया है। यह निर्णय उपभोक्ताओं के अधिकारों की रक्षा और संवर्धन के लिए लिया गया था और यह सुनिश्चित किया गया था कि किसी भी सामान या सेवा का कोई गलत या भ्रामक विज्ञापन न किया जाए जो उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के प्रावधानों का उल्लंघन करता हो।

उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 के उल्लंघन के मद्देनजर मुख्य आयुक्त श्रीमती निधि खरे और आयुक्त श्री अनुपम मिश्रा की अध्यक्षता वाली सीसीपीए ने विजन आईएएस के खिलाफ आदेश जारी किया है।

विजन आईएएस ने अपने विज्ञापन में निम्नलिखित दावा किया- 'विजन आईएएस के विभिन्न कार्यक्रमों से सीएसई 2020 में शीर्ष 10 चयनों में 10'

सीसीपीए ने पाया कि विजन आईएएस ने सफल उम्मीदवारों के नाम और तस्वीरें प्रमुखता से प्रदर्शित की हैं। हालाँकि यूपीएससी सिविल सेवा परीक्षा 2020 में उक्त सफल उम्मीदवारों द्वारा चुने गए पाठ्यक्रम के संबंध में जानकारी विज्ञापन में स्पष्ट नहीं की गई थी।

विजन आईएएस ने यूपीएससी सीएसई 2020 में एआईआर 1 यानी जीएस फाउंडेशन बैच क्लासरूम स्टूडेंट द्वारा चुने गए कोर्स का उल्लेख किया लेकिन अन्य नौ सफल उम्मीदवारों द्वारा चुने गए कोर्स के बारे में जानबूझकर जानकारी छिपाई। इस जानकारी को छिपाने से यह भ्रामक धारणा बनी कि शेष नौ उम्मीदवार भी 'जीएस फाउंडेशन बैच क्लासरूम स्टूडेंट' कोर्स में नामांकित थे जो सच नहीं था। शेष 9 उम्मीदवारों में से- 1 ने फाउंडेशन कोर्स लिया, 6 ने प्री और मेन्स स्टेज से संबंधित टेस्ट सीरीज ली और 2 ने अभ्यास टेस्ट लिया।

इसके अलावा, सीसीपीए ने विजन आईएएस द्वारा प्रस्तुत डिजिटल प्रोफाइल और फीस रसीदों की जांच की और पाया कि फाउंडेशन कोर्स सबसे महंगा है जिसकी फीस 1,40,000 रुपए है जबकि अभ्यास वन-टाइम प्रीलिम्स मॉक टेस्ट की फीस केवल 750 रुपए है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार रैंक 1 ने फाउंडेशन कोर्स 2018 (क्लासरूम/ऑफलाइन) में दाखिला लिया और रैंक 8 ने संस्थान के ऑनलाइन फाउंडेशन कोर्स 2015 में दाखिला लिया।

सीसीपीए ने पाया कि यूपीएससी सीएसई 2020 के रैंक 2, 3, 5, 7, 8 और रैंक 10 ने जीएस मुख्य परीक्षा सीरीज में नामांकन किया। यह मुख्य परीक्षा में लागू होता है यानी प्रीलिम्स परीक्षा पास करने के बाद, जो एक स्क्रीनिंग टेस्ट है, जिसे लगभग 1% छात्र ही पास कर पाते हैं, जिससे यह सबसे कठिन चरण बन जाता है जिसमें सबसे अधिक प्रतिस्पर्धा होती है। उपर्युक्त छात्रों ने जीएस मुख्य टेस्ट सीरीज ली, जो मेन्स परीक्षा के विभिन्न घटकों में से एक है, जिसका अर्थ है कि उपर्युक्त उम्मीदवारों ने बिना किसी विपरीत पक्ष के योगदान के, अपने दम पर प्रीलिम्स और इंटरव्यू चरण पास किए।

इसके अलावा, यूपीएससी सीएसई 2020 में रैंक 4 और रैंक 9 ने अभ्यास टेस्ट में दाखिला लिया, जो प्रीलिम्स परीक्षा के लिए एक मॉक टेस्ट है। रैंक 6 ने जीएस प्रीलिम्स टेस्ट सीरीज में दाखिला लिया। इसका मतलब है कि उपर्युक्त उम्मीदवारों ने बिना किसी विपरीत पक्ष के योगदान के अपने दम पर मेन्स और इंटरव्यू के चरणों को पास कर लिया।

माननीया राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर भारतीय रेल पर मतदाता शिक्षा और चुनावी भागीदारी के लिए सर्वश्रेष्ठ सरकारी विभाग के लिए सर्वश्रेष्ठ चुनावी अभ्यास पुरस्कार 2024-25 प्रदान किया

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

माननीया राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने आज 15वें राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर भारतीय रेलवे में मतदाता शिक्षा और चुनावी भागीदारी के लिए सर्वश्रेष्ठ सरकारी विभाग में सर्वश्रेष्ठ चुनावी अभ्यास पुरस्कार 2024-25 से सम्मानित किया। यह पुरस्कार रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और सीईओ श्री सतीश कुमार ने प्राप्त किया। भारतीय रेल को अपने बुनियादी ढांचे का सर्वोत्तम उपयोग करने और देश भर में मतदाता जागरूकता बढ़ाने के लिए भारत के चुनाव आयोग के साथ साझेदारी के लिए इस पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। यह मान्यता लोकसभा चुनाव 2024 में भारतीय रेल की महत्वपूर्ण भूमिका को उजागर करती है, जहां इसने मतदाता जागरूकता और लॉजिस्टिक समर्थन में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

मतदाता जागरूकता को बढ़ावा देने और चुनावों में नागरिकों की भागीदारी को प्रोत्साहित करने के लिए, भारतीय रेल ने, भारत के चुनाव आयोग के सहयोग से, मतदाता हेल्पलाइन विवरण प्रसारित करने के लिए स्टेशनों, आधिकारिक वेबसाइटों और मोबाइल एप्लिकेशन पर अपने रेल डिस्प्ले नेटवर्क (आरडीएन) का लाभ उठाया। रेलवे स्टेशनों पर पहले से रिकॉर्ड की गई घोषणाएं भी की गईं। इसके अतिरिक्त, युवाओं को चुनावी प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए प्रेरित करने और संलग्न करने के लिए स्थानीय अधिकारियों के समन्वय से कश्मीर घाटी में विशेष ट्रेन, स्वीप एक्सप्रेस संचालित की गई थी।

रेलवे ने निष्पक्ष चुनाव कराने के लिए देश भर में 383 ट्रेनों के माध्यम से 3,74,000 से अधिक अर्ध-सैन्य

कर्मियों के सुरक्षित और निर्बाध परिवहन की सुविधा भी प्रदान की। भारतीय रेल ने राष्ट्र के लोकतंत्र को आकार देने में मतदान के महत्व पर जोर देते हुए नागरिक भागीदारी को प्रभावी ढंग से बढ़ावा दिया।

भारतीय गणतंत्र के जन्म से एक दिन पहले, भारत के चुनाव आयोग के स्थापना दिवस को चिह्नित करने के लिए प्रतिवर्ष 25 जनवरी को राष्ट्रीय मतदाता दिवस (एनवीडी) मनाया जाता है। 2011 से, यह दिन विशेष रूप से नए मतदाताओं के बीच मतदाता नामांकन को प्रोत्साहित करने और चुनावी प्रक्रिया में सूचित भागीदारी को बढ़ावा देने के लिए मनाया जाता है। इस कार्यक्रम में पूर्व मुख्य चुनाव आयुक्तों, चुनाव आयुक्तों, राजनीतिक प्रतिनिधियों, वरिष्ठ सरकारी अधिकारियों और युवा मतदाताओं सहित प्रमुख गणमान्य व्यक्तियों की उपस्थिति देखी गई।

समारोह के हिस्से के रूप में, चुनाव प्रक्रियाओं में नवाचार, उत्कृष्टता और दक्षता को मान्यता देते हुए, राष्ट्रीय निर्वाचक पुरस्कार 2024-25 प्रदान किए जाते हैं।

केंद्रीय मंत्री श्री राजीव रंजन सिंह नई दिल्ली में 76वें गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर 400 से अधिक विशेष अतिथियों की मेजबानी करेंगे

भारत के माननीय राष्ट्रपति से मिलने के लिए 6 मछुआरों को किया गया आमंत्रित; 10 विशेष अतिथियों को केंद्रीय मंत्री करेंगे सम्मानित

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

76वां गणतंत्र दिवस कल धूमधाम से मनाया जाएगा, जो हमारे महान राष्ट्र की समृद्ध विविधता और शक्ति को प्रदर्शित करेगा। इस अवसर पर, भारत सरकार ने पूरे देश से 400 से अधिक मछुआरों/पशुपालकों और उनके परिवारों को 26 जनवरी, 2025 को कर्तव्य पथ पर गणतंत्र दिवस परेड देखने के लिए विशेष निमंत्रण दिया है।

मत्स्य विभाग के 200 विशेष अतिथियों में 6 विशेष आमंत्रित लोग भी शामिल हैं, जिन्हें राष्ट्रपति भवन में भारत की माननीय राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू से मिलने का अवसर मिलेगा। इनमें कुरनूल, आंध्र प्रदेश से सुश्री पी. हेमा लाथन, पुरी, ओडिशा से श्री ज्ञान स्वरूप साहू, नंदुरबार, महाराष्ट्र से श्री योहान अरविंद गावित, आनंद, गुजरात से सुश्री शबनमबेन साजिदभाई वोहरा, सोरेंग, सिक्किम से श्री समदुप भूटिया, और दक्षिण अंडमान, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह से श्री सी. अर्जुन शामिल हैं।

जबकि बिहार, तमिलनाडु, केरल और जम्मू-कश्मीर से पशुपालन और डेयरी विभाग के 200 विशिष्ट अतिथि राष्ट्रीय गोकुल मिशन (आरजीएम) के लाभार्थी हैं और इनमें मैत्री (ग्रामीण भारत में बहुउद्देशीय कृत्रिम गभार्धान तकनीशियन), गोपाल रत्न पुरस्कार विजेता और एआई तकनीशियन शामिल हैं जिन्होंने पशुधन क्षेत्र के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

भव्य गणतंत्र दिवस परेड समारोह में भाग लेने के बाद, इन विशेष अतिथियों को केंद्रीय मंत्री, श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय (एमओएफएएच एंड डी) और पंचायती राज मंत्रालय के साथ-साथ राज्य मंत्री, प्रो. एस.पी. सिंह बघेल, एमओएफएएच एंड डी और पंचायती राज मंत्रालय और राज्य मंत्री, श्री जॉर्ज कुरियन, एमओएफएएच एंड डी और अल्पसंख्यक मामलों के मंत्रालय के साथ अशोक होटल, चाणक्यपुरी, नई दिल्ली में बातचीत का अवसर मिलेगा।

बातचीत के दौरान, 10 विशेष आमंत्रित लोगों (मत्स्य विभाग और पशुपालन और डेयरी विभाग से 5-5) को केंद्रीय मंत्री द्वारा सम्मानित किया जाएगा।

इन विशेष अतिथियों के अनुभव को समृद्ध बनाने के लिए, मत्स्य पालन, पशुपालन और डेयरी मंत्रालय ने राष्ट्रीय राजधानी में कई प्रतिष्ठित स्थानों की उनकी यात्रा के लिए विशेष व्यवस्था भी की है। सरकार की यह पहल देश में मत्स्य पालन, पशुपालन और पशुधन क्षेत्र को आगे बढ़ाने में मछुआरों, पशुपालकों, तकनीशियनों और उनके परिवारों द्वारा किए गए अमूल्य योगदान को स्वीकार करती है।

सड़क बनाने में लापरवाही, इन ठेकेदारों का लाइसेंस होगा निरस्त

(एजेंसी)।

मध्यप्रदेश में लोक निर्माण विभाग अपनी निमार्णाधीन सड़कों का कार्य जल्द से जल्द समय सीमा के भीतर पूर्ण किया जाना सुनिश्चित करें। कार्य में ढिलाई बरत रहे ठेकेदारों के विरुद्ध पेनल्टी अधिरोपित की जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर उनका अनुबंध समाप्त कर किसी अन्य ठेकेदार से कार्य को पूर्ण कराया जाए।

उक्त निर्देश कलेक्टर सोनिया मीना ने शुक्रवार को कलेक्टर कार्यालय सभा कक्ष में आयोजित जिले में विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे निर्माण कार्यों की प्रगति समीक्षा की बैठक के दौरान उपस्थित अधिकारियों को दिए।

बैठक के दौरान कलेक्टर ने लोक निर्माण विभाग, पीआईयू, एमपीआरडीसी, जल संसाधन विभाग, एमपीईबी, आरईएस, ग्रह निर्माण विभाग आदि विभागों द्वारा जिले में किए जा रहे निर्माण विभागों की विस्तार पूर्वक समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने विभागवार निर्माण कार्यों कि अनुबंध स्थिति, कार्य समाप्ति की दिनांक, निर्माण कार्य में होने वाले व्यय तथा प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा कर अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

कलेक्टर ईई लोक निर्माण विभाग को निर्देशित किया है कि आगामी 1 माह के भीतर मालखेड़ी रायपुर रोड का कार्य पूर्ण कराया जाना सुनिश्चित करें। यदि ठेकेदार द्वारा कार्य करने में शिथिलता बरती जा रही है तो उसका अनुबंध निरस्त करते हुए किसी अन्य ठेकेदार से उक्त कार्य को संपन्न कराएं। कलेक्टर द्वारा निर्देश दिए गए की कोई भी निर्माण कार्य की तय सीमा के भीतर कार्य करवाया जाए, कार्य पूर्ण न होने की स्थिति में संबंधित ठेकेदार के विरुद्ध पेनल्टी अधिरोपित की जाए तथा आवश्यकता पड़ने पर उनका अनुबंध भी निरस्त किया जाए।

उन्होंने 2022 के बाद स्वीकृत निमार्णाधीन सड़कों का कार्य आगामी मार्च 2025 तक पूर्ण करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने मालाखेड़ी रायपुर मार्ग, महादेव, धूपगढ़ मार्ग पचमढ़ी, कुलामड़ी, सुपरली, पाहनबर्री, पालादेवरी बाईपास आदि मार्गों की प्रगति की समीक्षा की है।

कलेक्टर ने लोक निर्माण विभाग को निर्देशित किया है कि जिन सड़कों के निर्माण में भू अर्जन की समस्या आ रही हो ऐसे प्रकरणों के लिए विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाए। उन्होंने कहा की आगामी महादेव मेला को दृष्टिगत रखते हुए पचमढ़ी में महादेव धूपगढ़ सड़क मार्ग का पैच वर्क आवश्यक रूप से सुनिश्चित किया जाए।

कलेक्टर ने पीआईयू विभाग के निमार्णाधीन कार्यों की समीक्षा करते हुए ईई पीआईयू को निर्देश दिए कि जिले में निमार्णाधीन सीएम राइस स्कूलों का कार्य शीघ्र पूर्ण करें जिससे कि आगामी शैक्षणिक सत्र के लिए उनका संचालन सुचारू किया जा सके। उन्होंने लोक निर्माण विभाग एवं पीआईयू को संयुक्त रूप से तवा भवन का निरीक्षण कर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश दिए।

गणतंत्र दिवस पर विशेष अतिथि: केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने आशा कार्यकताओं की मेजबानी की और विभिन्न स्वास्थ्य पहलों की सफलता में उनके योगदान की सराहना की

आशा कार्यकर्ता देश में स्वास्थ्य योजनाओं की रीढ़ हैं। टीबी उन्मूलन मिशन में उल्लेखनीय सफलता का श्रेय मुख्य रूप से आशा कार्यकताओं के जमीनी स्तर पर किए गए काम को जाता है: केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव

नई दिल्ली, (एजेंसी)।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने 76वें गणतंत्र दिवस समारोह में विशेष आमंत्रित आशा कार्यकताओं की आज मेजबानी की। विभिन्न स्वास्थ्य पहलों की सफलता में योगदान देने वाले उनके अथक प्रयासों को सम्मानित करने के किये उन्हें आमंत्रित किया गया है।

आशा के उत्कृष्ट योगदान का अभिनंदन करने के लिए, सरकार ने 76वें गणतंत्र दिवस समारोह में विशेष अतिथि के रूप में देश के विभिन्न राज्यों से लगभग 250 आशा कार्यकर्ताओं को उनके जीवनसाथियों के साथ आमंत्रित किया है। यह सम्मान न केवल इन समर्पित स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का मनोबल बढ़ाता है, बल्कि उनके योगदान के महत्वपूर्ण मूल्य को भी दशार्ता है। यह उनकी आवश्यक भूमिका को स्वीकार करने के लिए एक मजबूत मिसाल कायम करता है। यह देश भर में सार्वजनिक स्वास्थ्य को आगे बढ़ाने में उनके काम के महत्व को दशार्ता है,

स्वास्थ्य सेवा तक पहुंच और परिणामों को बेहतर बनाने में उनके महत्वपूर्ण प्रभाव की भी पुष्टि करता है।

इस अवसर पर केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि "आशा कार्यकर्ता देश में स्वास्थ्य योजनाओं की रीढ़ हैं।" समाज में उनके अपार योगदान की सराहना करते हुए, उन्होंने कहा की "टीबी उन्मूलन मिशन में उल्लेखनीय सफलता का श्रेय मुख्य रूप से आशाओं द्वारा किए गए जमीनी स्तर के काम को जाता है।" उन्होंने आशा कार्यकताओं को भारत की नारी शक्ति का प्रदर्शन भी बताया।

वर्तमान में 10 लाख 29 हजार से अधिक आशा कार्यकर्ता देश की स्वास्थ्य सेवा प्रणाली में पहले संपर्क बिंदु के रूप में काम करती हैं, जो समुदायों और आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं के बीच एक महत्वपूर्ण कड़ी के रूप में कार्य करती हैं। वे विभिन्न सरकारी स्वास्थ्य पहलों जैसे मातृ और शिशु स्वास्थ्य सेवा, टीकाकरण को बढ़ावा देना और राष्ट्रीय क्षय रोग उन्मूलन कार्यक्रम में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। आशा कार्यकर्ता गैर-संचारी रोगों के बढ़ते बोझ को दूर करने में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं और अन्य राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रमों की एक विस्तृत श्रृंखला में योगदान देती हैं। अपने प्रयासों के माध्यम से वे अनगिनत लोगों की जान बचा रही हैं और यह सुनिश्चित कर रही हैं कि महत्वपूर्ण स्वास्थ्य हस्तक्षेप जरूरतमंद लोगों खासकर दूरदराज और कम सेवा वाले क्षेत्रों में तक पहुँचें।.

राजधानी पहुंचने पर स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय के अधिकारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। उन्हें दिल्ली के प्रतिष्ठित स्थलों को दिखने के लिए विशेष पर्यटन व्यवस्था की गई है। वे कर्तव्य पथ पर राष्ट्रीय युद्ध स्मारक और इंडिया गेट पर शहीदों को श्रद्धांजलि देंगी और 76वें गणतंत्र दिवस परेड का भी आनंद लेंगी।

इस कार्यक्रम में अतिरिक्त सचिव एवं मिशन निदेशक (एनएचएम) श्रीमती आराधना पटनायक और मंत्रालय के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद थे।

यूपी एसटीएफ ने पैरलल सॉफ्टवेयर से टोल फ्रॉड का किया खुलासा, मध्य प्रदेश के छह टोल प्लाजा की जांच शुरू

(एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने गुरुवार को देशभर में पैरलल सॉफ्टवेयर के माध्यम से टोल वसूली में धोखाधड़ी का खुलासा किया। इस जांच में मध्य प्रदेश के छह टोल प्लाजा भी शामिल हैं, जिनकी जांच एनएचएआई (राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण) की टीम ने शुरू कर दी है।

इन टोल प्लाजा पर पैरलल सॉफ्टवेयर का उपयोग करके वसूली की जा रही थी, जिससे सरकार को राजस्व की हानि हो रही थी।

जांच के तहत टोल प्लाजा

मध्यप्रदेश के जिन छह टोल प्लाजा की जांच हो रही है, उनमें से दो वंशिका कंस्ट्रक्शन के पास हैं, जो कांग्रेस के पूर्व विधायक संजय शर्मा की बेटी के नाम पर संचालित हो रहे हैं। इसके अलावा, गढ़ा टोल का कॉन्ट्रैक्ट बंसल पाथवे, जंगवानी का कोरल, और मोहतरा टोल का ठेका यूपी की एके कंस्ट्रक्शन के पास है।

जांच में सामने आई कुछ बातें

एनएचएआई के क्षेत्रीय अधिकारी एसके सिंह ने बताया कि मोहतरा, सालिवाड़ा, चिखलीकला, और जंगवानी टोल प्लाजा पर जांच की गई, लेकिन शुरूआती जांच में सॉफ्टवेयर के जरिए पैरलल वसूली के कोई ठोस सबूत नहीं मिले हैं। हालांकि, सालिवाड़ा टोल पर यह बात सामने आई कि राजनीतिक रसूख वाले लोगों से टोल नहीं लिया जा रहा था। इस पर कंपनी के मैनेजर को चेतावनी दी गई और स्पष्टीकरण मांगा गया।

आगे की जांच

इस पूरे मामले में एनएचएआई और एसटीएफ की टीम ने जांच के दायरे को और भी व्यापक कर दिया है। टोल प्लाजा पर पैरलल सॉफ्टवेयर के माध्यम से किए गए फ्रॉड के मामलों की जांच में अब और तेजी लाई जाएगी। इसके साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाएगा कि सरकारी राजस्व की हानि न हो और टोल वसूली सही तरीके से की जाए।

इस खुलासे से यह साफ हो गया है कि कई टोल प्लाजा पर भ्रष्टाचार और धोखाधड़ी की घटनाएं हो रही थीं, जिससे न सिर्फ सरकार बल्कि यात्रियों को भी भारी नुकसान उठाना पड़ रहा था। अब देखने वाली बात यह होगी कि प्रशासन इन मामलों पर कड़ा कदम उठाता है और सख्त जांच के बाद दोषियों के खिलाफ कार्रवाई करता है या नहीं।

संजय शर्मा ने टोल फ्रॉड मामले में दी प्रतिक्रिया, कहा- जांच के लिए तैयार हूं

उत्तर प्रदेश एसटीएफ द्वारा पैरलल सॉफ्टवेयर से टोल वसूली में धोखाधड़ी के खुलासे के बाद, वंशिका कंस्ट्रक्शन के मालिक और पूर्व विधायक संजय शर्मा ने अपनी सफाई दी है। उन्होंने कहा कि उनके नाम पर दो टोल संचालित हो रहे हैं, लेकिन उनका कहना था कि ये टोल कुछ महीने पहले ही उनकी फर्म के पास आए हैं। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि इन टोल प्लाजा पर इस्तेमाल होने वाला सॉफ्टवेयर उनका नहीं, बल्कि एनएचएआई (राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण) का होता है।

संजय शर्मा का बयान

संजय शर्मा ने मीडिया से बात करते हुए कहा, "अगर टोल वसूली में कोई गड़बड़ी या चोरी की बात सामने आई है, तो उसकी जांच जरूर होनी चाहिए। लेकिन सॉफ्टवेयर हमारा नहीं होता, यह तो एनएचएआई का ही होता है। एनएचएआई वाले ही बता पाएंगे कि सच्चाई क्या है।" उन्होंने आगे कहा कि जांच के लिए वह पूरी तरह से तैयार हैं और अगर किसी भी तरह की धोखाधड़ी या अनियमितता पाई जाती है, तो इसके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए।

संजय शर्मा ने इस मामले में खुद को बेगुनाह बताते हुए कहा कि उन्होंने हमेशा सही तरीके से काम किया है और अगर इस मामले में कोई गलती या धोखाधड़ी हुई है, तो इसकी जांच के लिए वह पूरी तरह से सहयोग करेंगे।

एनएचएआई की भूमिका पर जोर

पूर्व विधायक ने इस बात को भी स्पष्ट किया कि एनएचएआई के द्वारा निर्धारित सॉफ्टवेयर का इस्तेमाल किया जाता है और यह पूरी प्रक्रिया उनके नियंत्रण में होती है। उन्होंने उम्मीद जताई कि एनएचएआई इस मामले में पूरी पारदर्शिता से जांच करेगा और अगर किसी भी स्तर पर कोई धोखाधड़ी पाई जाती है, तो उसे सामने लाया जाएगा।

सत्यमेव जयते
गुजरात सरकार

गणतंत्र दिवस पर्व

राज्यस्तरीय महोत्सव । २६ जनवरी २०२५ । तापी-व्यारा

हम,
आदरणीय प्रधानमंत्री
श्री नरेन्द्रभाई मोदी के
'विकसित भारत' के
सपने को साकार कर
देश के लोकतंत्र को और अधिक
समृद्ध बनाने का संकल्प लेते हैं।

माननीय राज्यपाल
श्री आचार्य देवव्रत जी के
करकमलों से

ध्वजवंदन समारोह

दिनांकः २६ जनवरी २०२५, रविवार, **सुबह** ९:०० बजे

स्थानः बाजीपुरा, तहसीलः वालोद, जिलाः तापी-व्यारा

प्रेरक उपस्थिति
श्री भूपेन्द्रभाई पटेल
माननीय मुख्यमंत्री

आइए, हम सभी
स्वर्णिम भारत के विरासत और विकास के
गौरव के साथ,
बंधुत्व और समानता की भावना को और समृद्ध बनाएं।

सभी गुजरातवासियों को गणतंत्र पर्व की ढेर सारी शुभकामनाएँ...